Vesting

कैलिफोर्निया की आवासीय संपत्ति का स्वत्वाधिकार लेने के सामान्य तरीके लाभ और सीमाएं
California ki awasiya sampatti ka swatwadhikar lene kae samanya tarike Labh aur Seemayen

	सामान्य समाधिकार (टेनेंसी इन कॉमन) Samanya Samadhikar (TENANCY IN COMMON)	संयुक्त समाधिकार (ज्वाइंट टेनेंसी) Sanyukta Samadhikar (JOINT TENANCY)	सामुदायिक संपत्ति (कम्युनिटी प्रॉपटी) Samudayik Sampatti (COMMUNITY PROPERTY)	उत्तरजीविता के अधिकार सहित सामुदायिक संपत्ति Uttarjivita kae adhkar sahit Samudayik Sampatti
पक्ष Paksha	दो या अधिक व्यक्ति1 Do ya adhik vayakti 1	दो या अधिक स्वाभाविक व्यक्ति Do ya adhik swabhavik vayakti	जीवन साथी या घरेलू साथी2 Jeevan saathi ya gharelu sathi2	जीवन साथी या घरेलू साथी2 Jeevan saathi ya gharelu sathi2
वभिाजन Vibhajan	स्वामित्व को हितों की किसी भी संख्या में विभाजित किया जा सकता है, चाहे वे बराबर हों या गैर-बराबर Swamitwa ko hiton ki kisi bhi sankhya mein vibhajit kiya ja sakta hai, chahe ve barabar hon ya gair-barabar	स्वामित्व हित बराबर होनी चाहिए Swamitwa hit barabar honi chahiye	स्वामित्व हित बराबर होनी चाहिए Swamitwa hit barabar honi chahiye	स्वामित्व हित बराबर होनी चाहिए Swamitwa hit barabar honi chahiye
नरि्माण Nirman	एक या अधिक हस्तांतरण पत्र (यदि अन्य प्रकार से निर्दिष्ट नहीं किया गया है तो कानून हितों को बराबर मानता है) Ek ya adhik hastantaran patra (yadi anya prakar se nirdisht nahi kiya gaya hai to kanoon hiton ko barabar manta hai)	एकल हस्तांतरण पत्र (समरूप हित निर्मित करते हुए); अधिकार निधान द्वारा संयुक्त समाधिकार का उल्लेख किया जाना चाहिए Ekal hastantaran patra (samroop hit nirmit karte huye); adhikar nidhan dwara sanyukta samadhikar ka ullekh kiya jana chahiye	ववािह या घरेलू सहयोग से उत्पन्न धारणा या इसे वलिेख में नशि्चति किया जा सकता है Vivah ya gharelu sahyog se utpann dhaarna ya ise vilekh mein nishchit kiya ja sakta hai	एकल हस्तांतरण पत्र और जीवन साथी या घरेलू साथियों को ऐसी सहमति का उल्लेख करना चाहिए जो विलेख पर दर्ज की जा सकती है Ekal hastantaran patra aur jeevan sathi ya gharelu sathiyon ko aisi sahmati ka ullekh karna chahiye jo vilekh par darj ki ja sakti hai.
कब्जा व नयिंत्रण Kabja va Niyantran	बराबर Barabar	बराबर Barabar	बराबर Barabar	बराबर Barabar
अंतरण कृषमता Antaran kshamta	प्रत्येक सहस्वामी अपने हित को अलग से हस्तांतरित कर सकता है या बंधक रख सकता है Pratyek sahaswami apne hit ko alag se hastantrit kar sakta hai ya bandhak rakh sakta hai.	प्रत्येक सहस्वामी अपने हित को अलग से हस्तांतरित कर सकता/सकती है लेकिन इसका परिणाम सामान्य समाधिकार में आता है Pratyek sahaswami apne hit ko alag se hastantrit kar sakta/sakti hai lekin iska parinam samanya samadhikar mein aata hai.	दोनों जीवन साथियों या घरेलू साथियों को हस्तांतरण करने या बंधक रखने के लिए सहमत होना चाहिए Donon jeevan sathiyon ya gharelu sathiyon ko hastantaran karne ya bandhak rakhne kae liye sahmat hona chahiye.	दोनों जीवन साथियों या घरेलू साथियों को हस्तांतरण करने या बंधक रखने के लिए सहमत होना चाहिए Donon jeevan sathiyon ya gharelu sathiyon ko hastantaran karne ya bandhak rakhne kae liye sahmat hona chahiye.
एक स्वामी के वरि्द्ध ग्रहणाधिकार Ek swami kae virudh grahanadhikar	जब तक कि विवाहित या घरेलू साथी नहीं हैं, सहस्वामी के हित अन्य देनदार/स्वामी के ग्रहणाधिकार के अंतर्गत नहीं आते हैं लेकिन बाध्य बिक्री हो सकती है Jab tak ki vivahit ya gharelu sathi nahi hein, sahaswami kae hit anya dendar/swami kae grahanadhikar kae antargat nahi aate hein lekin baadhya bikri ho sakti hai.	सहस्वामी के हित अन्य देनदार/स्वामी के ग्रहणाधिकार के अंतर्गत नहीं आते हैं लेकिन बाध्य बिक्री हो सकती है यदि ऐसा सहस्वामी/देनदार की मृत्यु से पहले किया जाता है Sahaswami kae hit anya dendar/swami kae grahanadhikar kae antargat nahi aate hein lekin baadhya bikri ho sakti hai yadi aisa sahaswami/dendar ki mrityu se pahle kiya jata hai.	जीवन साथी या घरेलू साथी में से किसी का भी ऋण पूरा करने के लिए संपूर्ण संपत्ति बाध्य बिक्री के अंतर्गत आ सकती है Jeevan sathi ya gharelu sathi mein se kisi ka bhi rin poora karne kae liye sampoorna sampatti baadhya bikri kae antargat aa sakti hai.	जीवन साथी या घरेलू साथी में से किसी का भी ऋण पूरा करने के लिए संपूर्ण संपत्ति बाध्य बिक्री के अंतर्गत आ सकती है Jeevan sathi ya gharelu sathi mein se kisi ka bhi rin poora karne kae liye sampoorna sampatti baadhya bikri kae antargat aa sakti hai.
सहस्वामी की मृत्यु Sahaswami ki mrityu	वसीयत होने या न होने पर मृतक की संपत्ति उसके उत्तरदान-ग्राहियों या उत्तराधिकारियों के पास आ जाते हैं Vasiyat hone ya na hone par mritak ki sampatti uske uttardan-grahiyon ya uttaradhikariyon kae paas aa jate hein	मृतक के हित स्वचालित तरीके से जीवित बचने वाले संयुक्त समाधिकारी के पास आ जाते हैं (''उत्तरजीविता का अधिकार'') Mritak kae hit swachalit tarike se jeevit bacchne wale sanyukta samadhikari kae pass aa jate hein ("uttarjeevita ka adhikar")	मृतक के 1/2 हित जीवित बचने वाले जीवन साथी या घरेलू साथी के पास आ जाते हैं जब तक कि वसीयत द्वारा अन्य प्रकार से संपत्ति प्रदान नहीं की गई है Mritak kae ½ hit jeevit bacchne wale jeevan sathi ya gharelu sathi kae paas aa jate hein jab tak ki vasiyat dwara anya prakar se sampatti pradan nahi ki gai hai.	मृतक के 1/2 हित उत्तरजीविता के अधिकार की वजह से स्वचालित तरीके से जीवित बचने वाले जीवन साथी या घरेलू साथी के पास आ जाते हैं Mritak kae ½ hit uttarjeevita kae adhikar ki vajah se swachalit tarike se jeevit bacchne wale jeevan sathi ya gharelu sathi kae paas aa jate hein.
संभावति लाभ/नुकसान Sambhavit labh/nuksan	सहस्वामियों के हित पृथक रूप से अंतरण करने योग्य हो सकते हैं3 Sahaswamiyon kae hit prithak roop se antaran karne yogya ho sakte hein3	उत्तरजीविता के अधिकार (प्रमाणित इच्छापत्र की उपेक्षा करता है); में जीवन साथी के लिए कर संबंधी नुकसान हो सकते हैं Uttarjeevita kae adhikar (pramanit ichchhapatra ki upeksha karta hai); mein jeevan sathi kae liye kar sambandhi nuksaan ho sakte hein.	उत्तरजीविता के पात्र अधिकार; अंतरण के लिए परस्पर सहमति आवश्यक है; जीवित बचने वाले जीवन साथी या घरेलू साथी के लिए कर संबंधी लाभ हो सकते हैं2 Uttarjeevita kae patra adhikar; antaran kae liye paraspar sahmati aawasyak hai; jeevit bacchne wale jeevan sathi ya gharelu sathi kae liye kar sambandhi labh ho sakte hein 2	उत्तरजीविता के अधिकार; अंतरण के लिए परस्पर सहमति आवश्यक है; जीवित बचने वाले जीवन साथी या घरेलू साथी के लिए कर संबंधी लाभ हो सकते हैं Uttarjeevita kae adhikar; antaran kae liye paraspar sahmati aawasyak hai; jeevit bacchne wale jeevan sathi ya gharelu sathi kae liye kar sambandhi labh ho sakte hein

1. ''व्यक्तियों में वास्तविक व्यक्ति के साथ-साथ वैध तरीके से निर्मित सहयोग, सीमित भागीदारी, सीमित दायित्व कंपनी या सामान्य भागीदारी शामिल होती हैं। ट्रस्ट की संपति का अधिकार ट्रस्टी के पास होता है (आमतौर पर वास्तविक व्यक्ति या कॉर्पोरेशन)। 1. "vyaktiton mein vastawik vyakti kae sath-sath vaidh tarike se nirmit sahyog, seemit bhagidari, seemit dayitwa kampani ya samanya bhagidari shamil hoti hein. Trust ki sampatti ka adhikar trustee kae paas hota hai (aamtaur par vastawik vyakti ya corporation). "
2. जीवन साथियों/घरेलू साथियों द्वारा अंतरण करने के लिए, स्वत्वाधिकार सुरक्षा (टाइटल इंश्योरेंस) उद्देश्यों हेतु अन्य जीवन साथी/सहयोगी की ओर से दावा-परित्याग विलेख (क्विटक्लेम डीड) की आवश्यकता पड़ सकती है। 2. jeevan sathiyon/gharelu sathiyon dwara antaran karne kae liye, swatwadhikar suraksha (title insurance) uddeshyon hetu anya jeevan sathi/sahyogi ki ore se dawa-parityag vilekh (quitclaim deed) ki aawshyakta pad sakti hai.
3. यदि सहस्वामी जीवन साथी/घरेलू साथी हैं तो संपत्ति ''सामुदायिक संपत्ति'' की कानूनी धारणा के अधीन हो सकती है जिसमें ''संयुक्त समाधिकार'' के तौर पर अधिकार रखने के बावजूद स्वत्वाधिकार को अंतरित या भारग्रस्त करने के लिए दोनों जीवन साथियों/घरेलू साथियों की सहमति की आवश्यकता होती है 3. yadi sahaswami jeevan sathi/gharelu sathi hein to sampatti "samudayik sampatti" ki kanooni dharna kae adhin ho sakti hai jismein "sanyukta samadhikar" kae taur par adhikar rakhne kae bavjood swatwadhikar ko antarit ya bhargrast karne kae liye dono jeevan sathiyon/gharelu sathiyon ki sahmiti ki aavshyakta hoti hai.

यह केवल सामान्य सूचना के लिए उपलब्ध कराई गई है। विशेष प्रश्नों या वित्तीय, कर या संपदा योजना संबंधी मार्गदर्शन के लिए, हम सुझाव देते हैं कि आप वकील या प्रमाणित सार्वजनिक एकाउंटेंट से संपर्क करें।
Yah kewal samanya soochna kae liye uplabdh karai gai hai. Vishesh prashnon ya vittiya, kar ya sampada yojna sambandhi margdarshan kae liye, ham sujhav dete hein ki aap vakil ya pramanit sarvajanik accountant se sampark karein.

अधिकार रखने संबंधी विवरण Adhikar rakhne sambandhi vivran

कैलिफोर्निया में वास्तविक संपत्ति का स्वत्वाधिकार व्यक्तियों द्वारा, एकल स्वामित्व या सहस्वामित्व के अधीन रखा जा सकता है। वास्तविक संपति का सहस्वामित्व उस समय होता है जब स्वत्वाधिकार दो या अधिक व्यक्तियों के पास होता है। इसके कई भिन्न-भिन्न रूप मौजूद हैं कि स्वत्वाधिकार को प्रत्येक प्रकार के स्वामित्व में किस प्रकार रखा जा सकता है। नीचे दिये गये संक्षिप्त विवरण प्रत्येक प्रकार के सर्वाधिक सामान्य उदाहरणों का संदर्भ प्रदान करते हैं जैसा कि कैलिफोर्निया लैंड टाइटल एसोसिएशन द्वारा उपलब्ध कराया गया है।
California mein vastavik sampatti ka swatwadhikar vyaktiyon dwara, ekal swamitwa ya sahaswamitwa kae adhin rakha ja sakta hai. Vastawik sampatti ka sahaswamitwa us samay hota hai jab swaswadhikar do ya adhik vyaktiyon kae paas hota hai. Eske kai bhinna-bhinna roop maujood hein ki swatwadhikar ko pratyek prakar kae swamitwa mein kis prakar rakha ja sakta hai. Neeche diye gaye sanchhipta vivran pratyek prakar kae sarwadhik samanya udaharanon ka sandarbh pradan karte hein jaisa ki California land title association dwara uplabdha karaya gaya hai.

▼ **एकल स्वामित्व** एकल स्वामित्व को किसी व्यक्ति या ऐसे अन्य निकाय के स्वामित्व के तौर पर कहा जा सकता है जो स्वत्वाधिकार प्राप्त करने में सक्षम है। एकल स्वामित्व के सामान्य अधिकार रखने वाले मामलों के उदाहरण हैं:

Ekal swamitwa ekal swamitwa ko kisi vyakti ya aise anya nikay kae swamitwa kae taur par kaha ja sakta hai jo swatwadhikar prapt karne mein saksham hai. Ekal swamitwa kae samanya adhikar rakhne wale mamlon kae udaharan hein:

1. **अकेले रहने वाला पुरुष या महिला (सिंगल), एक अविवाहित पुरुष या महिला अथवा विधवा या विधुर:** Akele rahane wala purush ya mahila (single), ek avivahit purush ya mahila athwa vidhwa ya vidhur:

   एक पुरुष या महिला जो कानूनी रूप से विवाहित नहीं हैं या घरेलू सहयोग में नहीं हैं। उदाहरण के लिए: ब्रुस बायर, अकेले रहने वाला (सिंगल) पुरुष।

   Ek purush ya mahila jo kanooni roop se vivahit nahi hein ya gharelu sahyog mein nahi hein. Udaharan kae liye: Bruce Buyer, Akele rahne wala (single) purush.

2. **एक विवाहित पुरुष या महिला उसकी या उसकी एकल व पृथक संपति के तौर पर:** Ek vivahit purush ya mahila uski ya uski ekal wa prithak sampatti kae taur par:

   एक विवाहित पुरुष या महिला जो केवल अपने नाम पर स्वत्वाधिकार प्राप्त करना चाहते हैं। स्वत्वाधिकार सुरक्षा (टाइटल इंश्योरेंस) प्रदान करने वाली स्वत्वाधिकार कंपनी, विवाहित पुरुष या महिला के जीवन साथी के लिए ऐसा स्वत्वाधिकार प्राप्त करना आवश्यक करेगी जिसमें विशिष्ट तौर पर उसके अधिकार, स्वत्वाधिकार और संपत्ति में हित का दावा छोड़ा गया है या परित्याग किया गया है। इससे यह स्थापित होता है कि दोनों जीवन साथी चाहते हैं कि संपत्ति का स्वत्वाधिकार किसी एक जीवन साथी को उस जीवन साथी की एकल व पृथक संपत्ति के रूप में प्रदान किया जाए। यही नियम समान लिंग वाले विवाहित दंपतियों पर भी लागू होगा। उदाहरण के लिए: ब्रुस बायर, एक विवाहित पुरुष अपनी एकल व पृथक संपति के संबंध में।

   Ek vivahit purush ya mahila jo kewal apne naam par swatwadhikar prapt karna chahte hein. Swatwadhikar suraksha (title insurance) pradan karne wali swatwadhikar company, vivahit purush ya mahila kae jeevan sathi kae liye aisa swatwadhikar prapt karna aavashyak karegi jismein vishisht taur par uske adhikar, swatwadhikar aur sampatti mein hit ka dawa chhoda gaya hai ya parityag kiya gaya hai. Esse yah sthapit hota hai ki dono jeevan sathi chahte hein ki sampatti ka swatwadhikar kisi ek jeevan sathi ko us jeevan sathi ki ekal va prithak sampatti kae roop mein pradan kiya jaye. Yahi niyam saman ling wale vivahit dampatiyon par bhi lagoo hoga. Udaharan kae liye: Bruce buyer, ek vivahit purush apni ekal va prithak sampatti kae sambandh mein.

3. **एक घरेलू साथी अपनी एकल व पृथक संपत्ति के तौर पर:** Ek gharelu sathi apni ekal va prithak sampatti kae taur par:

Vicki Reeves
Riverside Sales Manager
vreeves@firstam.com
Office 951-787-1700 CUSTOMER SERVICE 866-748-3924
www.firstamriverside.com

First American Title™

First American Title Insurance Company, and the operating divisions thereof, make no express or implied warranty respecting the information presented and assume no responsibility for errors or omissions.
First American, the eagle logo, First American Title, and firstam.com are registered trademarks or trademarks of First American Financial Corporation and/or its affiliates.
©2016 First American Financial Corporation and/or its affiliates. All rights reserved. NYSE: FAF

07117030316 **HINDI**

एक घरेलू साथी जो केवल अपने नाम पर स्वत्वाधिकार प्राप्त करना चाहता या चाहती है।
Ek gharelu sathi jo kewal apne naam par swatwadhikar prapt karna chahta ya chahti hai. स्वत्वाधिकार सुरक्षा (टाइटल इंश्योरेंस) प्रदान करने वाली स्वत्वाधिकार कंपनी, उस व्यक्ति के घरेलू साथी के लिए ऐसा स्वत्वाधिकार प्राप्त करना आवश्यक करेगी जिसमें विशिष्ट तौर पर उसके अधिकार, स्वत्वाधिकार और संपत्ति में हित का दावा छोड़ा गया है या परित्याग किया गया है। इससे यह स्थापित होता है कि दोनों घरेलू साथी चाहते हैं कि संपत्ति का स्वत्वाधिकार किसी एक घरेलू साथी को उस व्यक्ति की एकल व पृथक संपत्ति के रूप में प्रदान किया जाए। उदाहरण के लिए:
ब्रूस बायर, एक पंजीकृत घरेलू साथी अपनी एकल व पृथक संपत्ति के संबंध में।
Swatwadhikar suraksha (title insurance) pradan karne wali swatwadhikar company, us vyakti kae gharelu sathi kae liye aisa swatwadhikar prapt karna aavashyak karegi jismein vishisht taur par uske adhikar, swatwadhikar aur sampatti mein hit ka dawa chhoda gaya hai ya parityag kiya gaya hai. Esse yah sthapit hota hai ki dono gharelu sathi chahte hein ki sampatti ka swatwadhikar kisi ek gharelu sathi ko us vyakti ki ekal va prithak sampatti kae roop mein pradan kiya jaye. Udaharan kae liye: Bruce buyer, ek panjikrit gharelu sathi apni ekal va prithak sampatti kae sambandh mein.

▼ सहस्वामित्व दो या अधिक व्यक्तियों के स्वामित्व वाली संपत्ति का स्वत्वाधिकार निम्नलिखित स्वरूपों में मौजूद हो सकता है: Sahaswamitwa do ya adhik vyaktiyon kae swamitwa wali sampatti ka swatwadhikar nimnlikhit swaroopon mein maujood ho sakta hai:

1. सामुदायिक संपत्ति: Samudayik sampatti

विवाहित व्यक्तियों या घरेलू साथियों के संयुक्त स्वामित्व वाली संपत्ति के स्वत्वाधिकार रखने वाला स्वरूप। सामुदायिक संपत्ति को पृथक संपत्ति से अलग किया जाता है, जोकि पृथक उपहार या उत्तरदान द्वारा विवाह से पहले या घरेलू सहयोग से पहले, कानूनी अलगाव के बाद हासिल की गई, या ऐसी संपत्ति होती है जिस पर एक जीवन साथी या घरेलू साथी के स्वामित्व में रखने की लिखित रूप में सहमति बनी है। कैलिफोर्निया में, विवाहित व्यक्ति या घरेलू साथी को अंतरित की गई वास्तविक संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति माना जाता है जब तक कि अन्य प्रकार से (यानी उपहार, उत्तरदान या समझौते द्वारा पृथक संपत्ति के तौर पर हासिल की गई संपत्ति) उल्लेख न किया गया हो। क्योंकि उक्त सभी संपत्तियों का स्वामित्व बराबर-बराबर का होता है इसलिए संपत्ति को हस्तांतरित करने या ऋण के लिए जमानत के तौर पर रखने के उद्देश्य से दोनों पक्षों को सभी समझौतों व दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करने चाहिए। प्रत्येक स्वामी के पास वसीयत द्वारा सामुदायिक संपत्ति के उसके आधे हिस्से की व्यवस्था (निपटारा) करने का अधिकार मौजूद रहता है। उदाहरण के लिए: ब्रूस बायर व बारबरा बायर, पति व पत्नी, सामुदायिक संपत्ति के संबंध में अथवा सेली स्मिथ और जेन स्मिथ, पंजीकृत घरेलू साथी के रूप में सामुदायिक संपत्ति के संबंध में। समान लिंग वाले दंपत्तियों के लिए अन्य उदाहरण: सेली स्मिथ और जेन स्मिथ, जीवन साथी, सामुदायिक संपत्ति के संबंध में।

Vivahit vyaktiyon ya gharelu sathiyon kae sanyukta swamitwa wali sampatti kae swatwadhikar rakhne wala swaroop. Samudayik sampatti ko prithak sampatti se alag kiya jata hai, joki prithak uphar ya uttardan dwara vivah se pahle ya gharelu sahyog se pahle, kanooni algav kae baad hasil ki gai, ya aisi sampatti hoti hai jis par ek jeevan sathi ya gharelu sathi kae swamitwa mein rakhne ki likhit roop mein sahmati bani hai. California mein, vivahit vyakti ya gharelu sathi ko antarit ki gai vastavik sampatti ko samudayik sampatti mana jata hai jab tak ki anya prakar se (yani uphar, uttardan ya samjhaute dwara prithak sampatti kae taur par hasil ki gai sampatti) ullekh na kiya gaya ho. Kyonki ukta sabhi sampattiyon ka swamitwa barabar-barabar ka hota hai esliye sampatti ko hastantarit karne ya rin kae liye zamanat kae taur par rakhne kae uddeshya se dono pakshon ko sabhi samjhauton va dastavejon par hastakshar karne chahiye. Pratyek swami kae paas vasiyat dwara samudayik sampatti kae uske aadhe hisse ki vyawastha (niptara) karne ka adhikar maujood rahta hai. Udaharan kae liye: Bruce buyer va Barbara buyer, pati va patni, samudayik sampatti kae sambandh mein athwa Selley Smith aur Jane Smith, panjikrit gharelu sathi kae roop mein samudayik sampatti kae sambandh mein. Saman ling wale dampatiyon kae liye anya udaharan: Selley Smith aur Jane Smith, jeevan sathi, samudayik sampatti kae sambandh mein.

2. उत्तरजीविता के अधिकार के साथ सामुदायिक संपत्ति: Uttarjeevita kae adhikar kae sath samudayik sampatti:

जीवन साथियों या घरेलू साथियों के संयुक्त स्वामित्व वाली संपत्ति के स्वत्वाधिकार रखने वाला स्वरूप। धारक स्वत्वाधिकार वाले इस स्वरूप में सामुदायिक संपत्ति की कई विशेषताएं मौजूद रहती हैं लेकिन इसमें संयुक्त समाधिकार के स्वत्वाधिकार के समान उत्तरजीविता के अधिकार के लाभ शामिल होते हैं। इस तरीके से स्वत्वाधिकार रखने से कर संबंधी लाभ हो सकते हैं। एक स्वामी की मृत्यु होने पर, मृतक के हित समाप्त हो जाते हैं और जीवित बचने वाले व्यक्ति के पास संपत्ति के समस्त हितों का स्वामित्व आ जाता है। उदाहरण के लिए: ब्रूस बायर व बारबरा बायर, पति और पत्नी, उत्तरजीविता के अधिकार सहित सामुदायिक संपत्ति के संबंध में अथवा जॉन बायर और बिल बायर, जीवन साथी, उत्तरजीविता के अधिकार सहित सामुदायिक संपत्ति के संबंध में। समान लिंग वाले दंपत्तियों के लिए अन्य उदाहरण: सेली स्मिथ और जेन स्मिथ, पंजीकृत घरेलू साथी, उत्तरजीविता के अधिकार सहित सामुदायिक संपत्ति के संबंध में।

Jeevan sathiyon ya gharelu sathiyon kae sanyukta swamitwa wali sampatti kae swatwadhikar rakhne wala swaroop. Dharak swatwadhikar wale es swaroop mein samudayik sampatti ki kai visheshtayein maujood rehti hein lekin esmein sanyukta samadhikar kae swatwadhikar kae saman uttarjeevita kae adhikar kae labh shamil hote hein.Es tarike se swatwadhikar rakhne se kar sambandhi labh ho sakte hein. Ek swami ki mrityu hone par, mritak kae hit samapta ho jate hein aur jeevit bacchne wale vyakti kae paas sampatti kae samast hiton ka swamitwa aa jata hai. Udaharan kae liye: Bruce Buyer va Barbara Buyer, pati va patni, uttarjeevita kae adhikar sahit samudayik sampatti kae sambandh mein athwa John Buyer aur Bill Buyer, jeevan sathi, uttarjeevita kae adhikar sahit samudayik sampatti kae sambandh mein. Saman ling wale dampatiyon kae liye anya udaharan: Selley Smith aur Jane Smith, panjikrit gharelu sathi, uttarjeevita kae adhikar sahit samudayik sampatti kae sambandh mein.

3. संयुक्त समाधिकार:. Sanyukta samadhikar:

ऐसे दो या अधिक व्यक्तियों के स्वामित्व वाली संपत्ति के स्वत्वाधिकार वाला स्वरूप, जो समान हितों में विवाहित या घरेलू साथी हो सकते हैं या नहीं हो सकते हैं, जोकि जीवित बचने वाले संयुक्त समाधिकारी(रियों) में उत्तरजीविता के अधिकार के अधीन होता है। स्वत्वाधिकार एक ही समय पर, एकसमान अंतरण द्वारा हासिल किये जाने चाहिए और दस्तावेज़ में संयुक्त समाधिकार संपदा निर्मित करने की इच्छा स्पष्ट रूप से घोषित की जानी चाहिए। जब संयुक्त समाधिकारी की मृत्यु होती है तो संपत्ति का स्वत्वाधिकार कानून लागू होने के द्वारा जीवित बचने वाले संयुक्त समाधिकारी(रियों) को स्वचालित तरीके से अंतरित हो जाता है। इसलिए, संयुक्त समाधिकार संपत्ति वसीयत द्वारा व्यवस्था (निपटारा) किये जाने के अधीन नहीं आती है। उदाहरण के लिए: ब्रूस बायर, एक विवाहित पुरुष और जॉर्ज बायर, अकेले रहने वाला पुरुष, संयुक्त समाधिकारी के तौर पर।
Aise do ya adhik vyaktiyon kae swamitwa wali sampatti kae swatwadhikar wala swaroop, jo sman hiton mein vivahit ya gharelu sathi ho sakte hai ya nahi ho sakte hai, joki jeevit bacchne wale sanyukta samadhikar(riyon) mein uttarjeevita kae adhikar kae adheen hota hai. Swatwadhikar ek hi samay par, ek saman antaran dwara hasil kiye jane chahiye aur dastavej mein sanyukta samadhikar sampada nirmit karne ki ichchha aspasht roop se ghoshit ki jani chahiye. Jab sanyukta samadhikari ki mrityu hoti hai to sampatti ka swatwadhikar kanoon lagoo hone kae dwara jeevit bacchne wale sanyukta samadhikari(riyon) ko swachalit tarike se antarit ho jata hai. Isliye sanyukta samadhikar sampatti vasiyat dwara vyawastha (niptara) kiye jane kae adheen nahi aati hai. Udaharan kae liye: Bruce Buyer, ek vivahit purush aur George Buyer, akele rahne wala purush, sanyukta samadhikari kae taur par.

टिप्पणी: यदि कोई विवाहित व्यक्ति संयुक्त समाधिकार में प्रवेश करता है तो इससे उसका/उसकी जीवन साथी शामिल नहीं होता/होती है, स्वत्वाधिकार सुरक्षा (टाइटल इंश्योरेंस) प्रदान करने वाली स्वत्वाधिकार कंपनी, उस विवाहित पुरुष या महिला के जीवन साथी के लिए ऐसा स्वत्वाधिकार प्राप्त करना आवश्यक कर सकती है जिसमें विशिष्ट तौर पर संयुक्त समाधिकार की सहमति दी गई है। यही नियम समान लिंग वाले विवाहित दंपत्तियों और घरेलू साथियों पर लागू होगा।
Tippani: yadi koi vivahit vyakti sanyukta samadhikar mein pravesh karta hai to asse uska/uski jeean sathi shamil nahi hota/hoti hai, swatwadhikar suraksha (title insurance) pradan karne wali swatwadhikar company, us avivahit purush ya mahila kae jeevan sathi kae liye aisa swatwadhikar prapt karna avashyak kar sakti hai jismein vishisht taur par sanyukta samadhikar ki sahmati di gai hai. Yahi niyam saman ling wale vivahit dampatiyon aur gharelu sathiyon par lagoo honga.

4. सामान्य समाधिकार: 4. Samanya samadhikar :

अविभाजित आंशिक हितों में दो या अधिक व्यक्तियों के स्वामित्व वाली संपत्ति के स्वत्वाधिकार का स्वरूप। ये आंशिक हित मात्रा या अवधि में असमान हो सकते हैं और अलग-अलग समय पर उत्पन्न हो सकते हैं। सामान्य समाधिकार में संपत्ति के एक हिस्से पर स्वामित्व रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति उस संपत्ति से मिलने वाली आय का तुलनात्मक हिस्सा प्राप्त करने का अधिकारी होता है और उसे व्ययों का समकक्ष हिस्सा भी वहन करना चाहिए।
प्रत्येक सह-समाधिकारी, अपने से संबंधित संपत्ति के हिस्से को बेच सकता है, लीज़ पर दे सकता है या अपने उत्तराधिकारियों को वसीयत में दे सकता है। उदाहरण के लिए: ब्रूस बायर, अकेले रहने वाला पुरुष एक अविभाजित 3/4 हित के संबंध में और पेनी परचेज़र, अकेले रहने वाली महिला, अविभाजित 1/4 हित के संबंध में।
Avibhajit aanshik hiton mein do ya adhik vyaktiyon kae swamitwa wali sampatti kae swatwadhikar ka swaroop. Ye aanshik hit matra ya avadhi mein asaman ho sakte hein aura alag-alag samay par utpann ho sakte hein. Samanya samadhikar mein sampatti ke ek hisse par swamitwa rakhne wala pratyek vyakti us sampatti se milne wali aay ka tulnatamak hissa prapt karne ka adhikari hota hai aur use vyayon ka samkaksha hissa bhi wahan karna chahiye.
Pratyek sah-samahikari, apne se sambandhit sampatti kae hisse ko bech sakta hai, leez par de sakta hai ya apne uttaradhikariyon ko vasiyat mein de sakta hai. Udaharan kae liye: Bruce Buyer, akele rahne wala purush ek avibhajit ¾ hit kae samband mein aur penny purchaser, akele rahne wali mahila, avibhajit ¼ hit kae sambandh mein.

अधिकार रखने वाले अन्य तरीको में शामिल हैं: Adhikar rakhne wale anya tarikon mein shamil hein.

1. किसी ट्रस्ट के ट्रस्टी: Kisi trust kae trustee:

ट्रस्ट एक व्यवस्था है जिसके माध्यम से अनुदाता द्वारा संपत्ति का कानूनी स्वत्वाधिकार ट्रस्टी नामक व्यक्ति को अंतरित किया जाता है, ताकि ट्रस्ट समझौते में उन निर्दिष्ट व्यक्तियों के लाभ के लिए उस व्यक्ति द्वारा इसे संभाला जाए और प्रबंधन किया जाए जिन्हें लाभार्थी कहा जाता है। ट्रस्ट सामान्य तौर पर ऐसा निकाय नहीं होता है जो स्वयं अपने नाम से स्वत्वाधिकार रख सकता है। इसके स्थान पर स्वत्वाधिकार अक्सर ट्रस्ट के ट्रस्टी के पास मौजूद रहता है। उदाहरण के लिए: बायर फैमिली ट्रस्ट का ट्रस्टी ब्रूस बायर है।
Trust ek vyawastha hai jiske madhyam se anudata dwara sampatti ka kanooni swatwadhikar trustee namak vyakti ko antarit kiya jata hai, taki trust samjhaute mein un nirdhisht vyaktiyon kae labh kae liye us vyakti dwara ese sambhala jaye aur prabandhan kiya jaye jinhe labharthi kaha jata hai. Trust samanya taur par aisa nikay nahi hota hai jo swayam apne naam se swatwadhikar rakh sakta hai. Iske sthan par swatwadhikar aksar trust kae trustee kae paas maujood rahta hai. Udaharan kae liye: Buyer family trust ka trustee Bruce Buyer hai.